बजट सत्र – 2018 के समापन अवसर पर
माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

मंगलवार, 27 फरवरी, 2018

चतुर्थ विधान सभा के पन्द्रहवें सत्र के समापन अवसर पर सदन के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग के लिए सर्वप्रथम सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी एवं आप सभी माननीय सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

चतुर्थ विधान सभा के कार्यकाल का यह अंतिम बजट सत्र था । इस दृष्टि से यह सत्र छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए सरकार के संकल्प को सुदृढ़ करने वाला सत्र रहा । इस सत्र में राज्य से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण विषय पर सारगर्भित, सार्थक चर्चा हुई। यह सत्र दिनांक 5 फरवरी, 2018 से 28 फरवरी 2018 के मध्य आहूत था। आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए आप माननीय सदस्यों के अनुरोध पर एक दिवस पूर्व आज दिनांक 27 फरवरी 2018 को इस सत्र का समापन हो रहा है ।

आज के इस अवसर पर मैं एक विशेष बात यह कहना चाहता हूँ कि आपने मुझे विधान सभा के दायित्वों के निर्वहन में जो सकारात्मक सहयोग, मार्गदर्शन और स्नेह दिया है । मैं इसके लिये अपनी कृतज्ञता को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थ पाता हूँ । सच पूछिए तो चतुर्थ विधान सभा के गठन से लेकर आज तक का जो सफर रहा है वह इतनी जल्दी निकल गया कि यकीन ही नहीं होता कि इस चतुर्थ विधान सभा का कार्यकाल अतिशीघ्र पूर्ण होने जा रहा है । वस्तुतः जब भी किसी संस्था में परस्पर सौहार्द, समन्वय और सामंजस्य का भाव विद्यमान होता है तो कालचक्र तेजी से घूमने लगता है। हमें पता ही नहीं चलता और वक्त गुजर जाता है ।

मुझे इस बात की भी हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ राज्य की चतुर्थ विधान सभा संसदीय मूल्यों के संरक्षण और परंपराओं के परिपालन में एक आदर्श प्रस्तुत करने में सफल रही है। इस सदन में प्रत्येक सदस्य ने उन्हें प्रदत्त भूमिकाओं के साथ न्याय किया है। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आपकी इस वचनबद्धता का मैं सम्मान करता हूँ । यह सदन पक्ष प्रतिपक्ष के भावों से ऊपर रहा है, न केवल प्रतिपक्ष के अपितु पक्ष के कई माननीय सदस्यों ने कतिपय अवसरों पर जिस संजीदगी से सरकार के कार्यों की समीक्षा, आलोचना की और सुझाव दिए, वे सभी बिन्दु भविष्य के लिए नजीर होंगे । आप माननीय सदस्यों की यह सजगता और संवेदनशीलता सदैव बनी रहे और आप लोक कल्याण के प्रति और अधिक समर्पण के साथ कार्य कर पाने में सफल हों यह मेरी आप सभी के प्रति शुभेच्छा है।

इस सत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के विकास और इसकी प्राथमिकताओं पर केन्द्रित अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर आप समस्त माननीय सदस्यों ने चर्चा के विभिन्न माध्यमों से अपनी बात कही। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य, वन सहित सभी विषयों पर विभागवार आपने चर्चा की, प्रतिपक्ष की मैं विशेष रूप से सराहना करना चाहूंगा कि आपने सरकार को लोकहित से जुड़े लगभग प्रत्येक विषय पर उत्तर देने हेतु बाध्य किया और मैं समझता हूं कि यही हमारी संसदीय लोकतंत्र की सफलता है।

इस सत्र में आज सदन में उत्कृष्टता अलंकरण पुरस्कारों की घोषणा की गई । वर्ष 2017 के लिए चयनित उत्कृष्ट विधायक, पक्ष से श्री राजमहंत सांवलाराम डाहरे, प्रतिपक्ष से श्री मोहन मरकाम तथा उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार नई दुनिया के श्री संजीव कुमार, उत्कृष्ट इलेक्ट्रानिक मीडिया रिपोर्टर स्वराज एक्सप्रेस के श्री आशीष तिवारी एवं कैमरामेन श्री प्रकाश सिंह यादव को मैं अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ ।

माननीय सदस्य श्री सत्यनारायण शर्मा को चतुर्थ विधान सभा के ''जागरूक विधायक'' के रूप में चयनित किया गया । मैं पुरस्कृत सभी जनों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। यथा समय गरिमामय समारोह में ये पुरस्कार प्रदत्त किये जाएंगे ।

इस सत्र में माननीय सदस्यों के लिये स्वास्थ्य शिविर दिनांक 20 फरवरी से 22 फरवरी 2018 तक आयोजित हुआ । इसका आप सभी माननीय सदस्यों ने लाभ लिया । इस हेतु मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं।

इस सत्र में दिनांक 26 फरवरी 2018 को प्रसिद्ध फिल्म कलाकार शरमन जोशी ने अपने हास्य नाटक **''राजू राजा राम और मैं**'' की शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने जीवंत अभिनय से नाटक के सभी पात्रों में प्रभावित किया। आज 27 फरवरी को सत्रावसान के बाद विधान सभा परिसर स्थित सेन्ट्रल लॉन में ''होली मिलन'' का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया है । इस अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन और फाग का कार्यक्रम रखा गया है । आप सभी से मेरा यह अनुरोध है कि इस रंग, उमंग के पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में अवश्य रूप से अपनी उपस्थिति देवें ।

अब मैं आपको इस बजट सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 16 बैठकों में लगभग 92 घंटे 43 मिनिट चर्चा हुई। प्रश्नकाल में 144 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 11 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 1352 एवं अतारांकित प्रश्नों की 1318 सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 2670 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त

हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 431 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 66 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 24 सूचनाओं पर सदन में चर्चा हुई, 39 सूचनाएं नियम 267–क में परिवर्तित हुई। इस सत्र में स्थगन की कुल 232 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से एक विषय से संबंधित 32 सूचनाओं को सदन में पढ़ने एवं शासन का वक्तव्य सुनने के पश्चात् अग्राह्य किया गया तथा 30 सूचनाओं को ध्यानाकर्षण के रूप में परिवर्तित किया गया । शून्यकाल की 148 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 80 सूचनाएं ग्राह्य और 68 सूचनाएं अग्राह्य रही। वर्तमान सत्र में 60 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 5 ग्राह्य व 55 अग्राह्य रही। 10 अशासकीय संकल्प माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये। इस सत्र में 5 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई, जिन पर चर्चा हुई एवं सभी पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत चतुर्थ अनुपूरक अनुमान पर 2 घंटे 47 मिनट, वर्ष 2018–19 के बजट की अनुदान मांगों पर 41 घंटे 11 मिनट चर्चा हुई तथा विनियोग विधेयक पर 5 घंटे 5 मिनट चर्चा हुई।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को भिज्ञ कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं, जनप्रतिनिधि संस्थाओं, स्कूल/कॉलेज के छात्र/छात्राओं लगभग 3887 लोगों ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा 16813 नागरिकों ने भी विधान सभा की कार्यवाही का अवलोकन किया एवं 14200 व्यक्तियों ने विधान सभा का भ्रमण किया। जैसा कि आप सबको विदित है कि ''हमर छत्तीसगढ़'' योजना जो जुलाई 2016 से आरंभ हुई है और जिसका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है। इस योजना के तहत राज्य की पंचायतीराज व्यवस्था के जनप्रतिनिधिगणों एवं सहकारिता प्रतिनिधि राजधानी रायपुर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कर रहे हैं। इस सत्र में ''हमर छत्तीसगढ़'' योजना के तहत 5253 कुल जनप्रतिनिधियों ने विधान सभा का भ्रमण किया।

विधान सभा की वेबसाईट का 22500 विजिटर्स ने अवलोकन किया एवं एक लाख 27 हजार 994 पेज देखे गये ।

पुस्तकालय एवं संदर्भ शाखा से 70 संदर्भ माननीय सदस्यों को उपलब्ध कराये गये ।

अन्त में बजट सत्र के समापन अवसर पर इस सत्र के सुचारू संचालन में सहयोग के लिये मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय मंत्री गणों तथा समस्त माननीय सदस्यों के प्रति हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आप सभी के समन्वित प्रयास से इस सदन का निर्बाध संचालन संभव हो पाया।

मैं इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष सहित सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया।

मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया। रायपुर दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं अन्य मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण, माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट भाषण का तथा प्रश्नकाल का जीवंत प्रसारण किया।

सत्र समापन के अवसर पर राज्य शासन के नवनियुक्त मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधान सभा के सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

छत्तीसगढ़ की चतुर्थ विधान सभा का आगामी सत्र जो पावस सत्र होगा, जो चतुर्थ विधान सभा के कार्यकाल का अंतिम सत्र होगा ।

सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित की जाती रही है। तद्नुसार आगामी सत्र अगस्त माह के प्रथम/द्वितीय सप्ताह में संभावित है। आप सभी को रंगोत्सव, होली 2018 की शुभकामनाएं । कामना करता हूँ कि आप सभी का जीवन सुख–सफलता एवं समृद्धि के रंगों से सदैव रंगा रहे । प्रदेश के समस्त नागरिकगणों को भी मैं होली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

हम सब छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृत संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ ।

धन्यवाद

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़